दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-171005

प्रदत्त कार्य (ASSIGNMENT)
स्नातकोत्तर हिन्दी प्रथम सत्र

आवश्यक निर्देश :-

- विद्यार्थी प्रदत्त कार्य (ASSIGNMENT) के मुख्य पृष्ठ पर अपना नाम, माता-पिता का नाम, अनुक्रमांक/पंजीकरण संख्या, मोबाइल एवं WhatsApp नंबर, पाठ्यक्रम का सम्पूर्ण विवरण साफ़ व स्पष्ट शब्दों में लिखें।
- प्रत्येक विषय में 20 अंकों का प्रदत्त कार्य कार्य दिया जाएगा जो 3 खण्डों में विभक्त होगा।
- प्रदत्त कार्य-1 एवं प्रदत्त कार्य-2 कुल 14 (7+7) अंकों विभक्त होगा तथा प्रदत्त कार्य-3 कुल 6 अंकों में विभक्त होगा।

क्र.सं.	विषय क्रमांक	विषय	प्रदत्त कार्य-1 अंक	प्रदत्त कार्य-2 अंक	प्रदत्त कार्य-3 अंक	कुल योग
1	MHIN 101	मध्यकालीन काव्य	07	07	06	20
2	MHIN 102	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि, भक्ति एवं रीतिकाल)	07	07	06	20
3	MHIN 103	हिन्दी नाटक एवं उपन्यास	07	07	06	20
4	MHIN 104	भाषा विज्ञान	07	07	06	20

नोट – प्रदत्त कार्य (Assignments) निम्नलिखित पते पर प्रेषित करें

Director of ICDEOL
Himachal Pradesh University
Summerhill, Shimla, 171005

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (CDOE)

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-171005

प्रदत्त कार्य-

(ASSIGNMENT-)

नाम –

माता का नाम –

पिता का नाम –

अनुक्रमांक/पंजीकरण संख्या -

सत्र –

कार्यक्रम –

विषय शीर्षक –

विषय क्रमांक –

मोबाइल नं. –

दिनांक –

प्राप्तकर्ता –

स्नातकोत्तर प्रथम सत्र

मध्यकालीन काव्य

कोर्स कोड़ : MHIN 101

निर्देश : मुख्य पृष्ठ पर कोर्स का नाम, कोर्स कोड, अपना नाम, माता – पिता का नाम, अनुक्रमांक या पंजीकरण संख्या, सम्पर्क संख्या **(Mobile No)** , साफ एवं स्पष्ट शब्दों में लिखें।

प्रदत्त – कार्य –1

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 कबीरदास का साहित्यिक परिचय लिखिए।

2 सूरदास की साहित्यिक विशेषताएं लिखिए।

3 तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्पष्ट करें।

4 जायसी की साहित्यिक विशेषताएं लिखिएं।

प्रदत्त – कार्य –2

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 कबीरदास की साहित्यिक विशेषताएं लिखिए।

2 सूरदास का साहित्यिक परिचय लिखिएं।

3 तुलसीदास की साहित्यिक विशेषताओं को स्पष्ट करें।

4 जायसी का जीवन परिचय लिखिएं।

प्रदत्त – कार्य –3

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3, 3 = 6

1 'कबीरदास समाज सुधारक है' स्पष्ट कीजिए।

2 सूरदास के भ्रमरगीतसार का उददेश्य लिखिएं।

3 तुलसीदास के रामचरित मानस की विशेषता स्पष्ट करें।

4 जायसी के नागमति वियोग खंड का सार अपने शब्दों में लिखिएं।

स्नातकोत्तर प्रथम सत्र

विषय – (MHIN 102) हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रदत्त कार्य-1 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 हिन्दी साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा पर प्रकाश डालिए।

प्र०2 साहित्य इतिहास के पुनर्लेखन की समस्या पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्र०3 हिन्दी साहित्य के आदिकाल की परिस्थितियों का सविस्तार से वर्णन कीजिए।

प्र०4 आदिकाल के सीमा निर्धारण और नामकरण पर प्रकाश डालिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-2 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 सिद्ध साहित्य की परंपरा और उसकी प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

प्र०2 हिन्दी साहित्य में भक्तिकाल के उद्भव एवं विकास में भक्ति आंदोलन की क्या भूमिका रही ?

प्र०3 संत काव्यधारा के प्रमुख कवियों तथा उनकी रचनाओं का परिचय दीजिए।

प्र०4 सूफ़ी काव्य में चित्रित भारतीय संस्कृति के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-3 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 रीतिकाल के विविध नामों का विवेचन करते हुए सिद्ध कीजिए कि कौन सा नाम तर्कसंगत है ?

प्र०2 "रीति काव्य दरबारी संस्कृति तथा लक्षण ग्रंथ परंपरा पर आधारित है।" कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र०3 रीतिबद्ध काव्य धारा के कवियों का परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

प्र०4 रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

कुल अंक 3 +3=6

स्नातकोत्तर प्रथम सत्र

विषय – (MHIN 103) हिन्दी नाटक एवं उपन्यास

प्रदत्त कार्य-1 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 **'चन्द्रगुप्त'** नाटक के आधार पर प्रसाद जी की नाट्यकला की विशेषताएं बताइए।

प्र०2 **'चन्द्रगुप्त'** नाटक में नारी पात्रों का चरित्रांकन कीजिए।

प्र०3 **"चन्द्रगुप्त नाटक में इतिहास और कल्पना का मणिकांचन संयोग है।"** इस कथन की समीक्षा कीजिए।

प्र०4 **'अंधायुग'** नाटक के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-2 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 **'अंधायुग'** नाटक का मूल उद्देश्य क्या है ? स्पष्ट करें।

प्र०2 नाट्य काव्य की कसौटी पर **अंधायुग** का मूल्यांकन कीजिए।

प्र०3 सिद्ध कीजिए कि **गोदान** कृषक जीवन का महाकाव्य है।

प्र०4 **"गोदान आदर्शोन्मुख यथार्थवाद की कृति है।"** कथन की सार्थकता सिद्ध कीजिए।

कुल अंक 3.5+3.5=7

प्रदत्त कार्य-3 (केवल दो प्रश्नों का उत्तर दें)

प्र०1 **गोदान** में गाँव और शहर की कथाएं कहाँ तक परस्पर सम्बद्ध है ? विस्तार से बताइए।

प्र०2 हिन्दी का आंचलिक उपन्यास परंपरा का परिचय देते हुए **मैला आँचल** का स्थान निर्धारित करें।

प्र०3 **मैला आँचल** में चित्रित लोक संस्कृति एवं भाषा का विवेचन कीजिए।

प्र०4 **मैला आँचल** उपन्यास में वर्णित ग्राम्य जीवन के सामाजिक संबंधों का चित्रण कीजिए।

कुल अंक 3 +3=6

स्नातकोत्तर प्रथम सत्र

भाषा विवज्ञान

कोर्स कोड़ : MHIN 104

निर्देश : मुख्य पृष्ठ पर कोर्स का नाम, कोर्स कोड, अपना नाम, माता – पिता का नाम, अनुक्रमांक या पंजीकरण संख्या, सम्पर्क संख्या **(Mobile No)** , साफ एवं स्पष्ट शब्दों में लिखें।

प्रदत्त – कार्य –1

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 भाषा का अर्थ एवं परिभाषा लिखिए।

2 भाषा की विशेषताएं लिखिए।

3 भाषाविज्ञान किसे कहते है? उसके क्षेत्र को स्पष्ट करें।

4 भाषा विज्ञान की विशेषताएं लिखिए।

प्रदत्त – कार्य –2

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3.5, 3.5 = 7

1 स्वन किसे कहते है? उसका वर्गीकरण स्पष्ट कीजिए।

2 सूरदास का साहित्यिक परिचय लिखिएं।

3 स्वर किसे कहते है? उसके भेदों को स्पष्ट करें।

4 व्यंजन किसे कहते है? उसके भेदों वर्गीकरण कीजिए।

प्रदत्त – कार्य –3

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उतर दीजिए। सभी के अंक समान है। 3, 3 = 6

1 व्याकरण किसे कहते है? उसकी कोटीयों को स्पष्ट करें।

2 वाक्य किसे कहते है? वाक्य के अंगों को स्पष्ट करें।

3 वाक्य की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषता लिखिए।

4 वाक्य के भेदों को स्पष्ट कीजिए।